Roll. No. : .....

BAJY (N)-102

Second Semester Examination, 2024 (June)

[होराशास्त्र एवं फलादेश के सिद्धान्त]

Time : 2 Hours] **[Maximum Marks : 70**

नोट : यह प्रश्न पत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (2) खण्डों (क) तथा (ख) में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड (क) में पाँच (5) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (2) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

2 × 19 = 38

1. द्वादश भावों का परिचय देते हुए सविस्तार वर्णन कीजिए।

अथवा

ग्रहदृष्टि एवं ग्रहमैत्री का विस्तारपूर्वक उल्लेख कीजिए।

2. ग्रहबल एवं भावबल का प्रतिपादन कीजिए।

3. तुला–वृश्चिक, धनु–मीन राशियों के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

4. विंशोतरी दशा तथा अष्टोत्तरी दशाफल का प्रतिपादन कीजिए।

5. द्विग्रह से क्या तात्पर्य है? द्विग्रहादि योग फल का लेखन कीजिये।

अथवा

पंचांग क्या है, टिप्पणी लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड (ख) में आठ (8) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (8) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (4) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

4 × 8 = 32

1. होरा शास्त्र क्या हैं? परिचय देते हुए प्रकाश डालिए।

अथवा

भौम–बुध–बृहस्पति ग्रहदशा के फलों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

2. दृष्टि क्या हैं? ग्रह दृष्टि के फलों का विवेचन कीजिए।

3. कारक क्या हैं? परिचय देते हुए इनके स्वरूपों का वर्णन कीजिए।

4. योगिनी दशा एवं अन्तर्दशा ग्रहों के फलों का उल्लेख कीजिए।

अथवा

शनि दशा फल के सन्दर्भ में लिखिए।

5. अष्टम भाव से विचारणीय विषयों का प्रतिपादन कीजिए।

6. ग्रहों के स्थान बल से क्या तात्पर्य हैं? स्पष्ट कीजिए।

7. राशियों का परिचय दीजिए।

8. ग्रहों के कालबल का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

****